संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

एक देश, एक धड़कन

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 6 • जून 2025

Volume 3 • Issue 6 • June, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

थॉमस हॉब्स (1588-1679) का दर्शनशास्त्र इस संकल्पना पर आधारित है कि इस जगत में कोई भी सत्य नहीं है। केवल भौतिक तत्व एवं गति को छोड़ दिया जाए तो बाकी सब असत्य है। संवेदना बाहर से प्राप्त एक गति मात्र है। संवेदना के कारण जो प्रतिमाएँ होती हैं वे बाहरी गति होती हैं। स्मृति एकत्रित गति का अवशेष मात्र है। काव्यमय कल्पना के विषय में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए हॉब्स कहते हैं कि उनका संबंध अपनी दृष्टि से आता है। कल्पना अपनी काव्य-सिद्धि के लिए आवश्यक माध्यम तथा लक्ष्य को स्पष्ट रूप से देखती है। विविध वस्तुओं में कहाँ-कहाँ समानता है, इसकी खोज कल्पना करती है। इस प्रकार सभी प्रकार के रूपक एवं प्रतिमाएँ कल्पना की रचनाएँ हैं। कल्पना कवि को शक्ति प्रदान करती है जिस कारण कवि ऐसी वस्तुओं का निर्माण करते हैं जिनसे प्रसन्नता या अप्रसन्नता मिलती है। यह कवि इच्छा के अनुसार होता है। कवि के मुख्य साधन या उपकरण अलंकार होते हैं। कवि कल्पना के माध्यम से न केवल समानता बल्कि भिन्नता की भी खोज करते हैं। इसीलिए कल्पना एक ही प्रकार का निर्णय ले सकती है। काव्य की उदात्तता निरंकुशता पर आधारित है, यह हॉब्स का कहना है। उनके अनुसार कल्पना तर्क के समान भी कार्य करती है। अनुभव को सुचारु रूप से प्रकट करना काव्य का लक्ष्य होता है। इस प्रकार की प्रस्तुति से हमें आनंद की प्राप्ति होती है। यह योजना दर्शनशास्त्र की योजना के समान हो सकती है। इस प्रकार कल्पना का कार्य शृंगार के माध्यम से आनंद की प्राप्ति करना है। कल्पना जितनी अपने कार्य में सफल होगी, उतना हमें आनंद मिलेगा। कल्पना तर्क के समान कार्य करती है। वह तर्क के समान विभाजन का भी कार्य करती है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

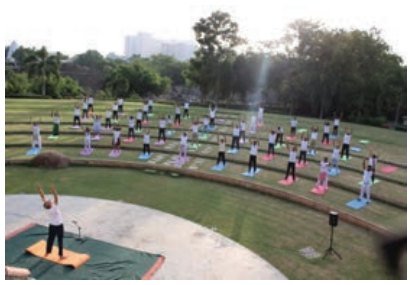

जून 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में 'ग्रीष्मकालीन शिविर इन्द्रधनुष- 2025' दिनांक 02-12 जून 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें कुल प्रतिभागी 75 बच्चों ने विभिन्न कला एवं शिल्प कार्यों में भाग लिया। विषय विशेषज्ञों द्वारा लोक नृत्य, मूक अभिनय, पेपरमेशी, मांडना जैसी शिल्प कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 05 जून 2025 को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण बचाओ, पृथ्वी बचाओ, पानी बचाओ, पेड़ बचाओ का सन्देश देती हुई पतंग बच्चों के हाथों से बनवाई गई व पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली में 'ग्रीष्म कालीन शिविर इन्द्रधनुष- 2025' दिनांक 27 मई से 06 जून, 2025 तक आयोजित किया गया, जिसका समापन समारोह 06 जून 2025 को सम्पन्न हुआ। इसमें कुल 276 बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न कलाओं एवं शिल्प कार्यों में भाग लिया। इन्द्रधनुष कार्यक्रम में पूरे देश के सभी भागों से विषय विशेषज्ञो एवं कलाकारों ने बच्चों को प्रशिक्षण दिया। बच्चों द्वारा विभिन्न शिल्प कलाओं की प्रदर्शनी लगाई गई तथा विभिन्न कलाओं का मंच पर प्रदर्शन किया गया, जैसे ओडिसी नृत्य, कथक नृत्य, थियेटर, मूक अभिनय, शास्त्रीय संगीत आदि। दर्शकों तथा द्वारकावासियों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गयी। डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी एवं श्री राजीव कुमार, निदेशक, सीसीआरटी द्वारा बच्चों को शुभकामनाएँ दी गईं।

दीप से दीक्षा की ओर

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में सेवारत शिक्षकों हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 500वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम' (10-30 जून, 2025) का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सात राज्यों से आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर (अध्यक्ष, सीसीआरटी) ने अपने उद्घाटन भाषण में शिक्षा और संस्कृति के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. राहुल कुमार (उपनिदेशक) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों और अगले 21 दिन के इस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भूमिका को रेखांकित किया।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में दिनांक 02 - 12 जून 2025 तक 'ग्रीष्मकालीन शिविर इंद्रधनुष -2025' आयोजित किया गया। दिनांक 12 जून 2025 को इस कार्यक्रम के सिद्धि समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कुल 79 बच्चों द्वारा शिल्प कलाओं की प्रदर्शनी लगाई गई एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक नृत्य, लोक गीत, मूक अभिनय का मंच प्रदर्शन किया गया। तत्पश्चात बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

सीसीआरटी की ओर आयोजित शिविर में कुल 79 बच्चों ने हिस्सा लिया

ग्रीष्मकालीन शिविर : 10 दिन में सीखी विभिन्न कलाएं, आज समापन समारोह में बच्चे प्रदर्शित करेंगे हुनर

आज समापन, प्रशिक्षणार्थियों को मिलेगा प्रमाण पत्र

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 13 जून 2025 को अप्रैल-जून तिमाही की हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्यालय के कार्मिकों के साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के कार्मिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में आमंत्रित विशेषज्ञ - प्रसिद्ध साहित्यकार एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय से सेवानिवृत्त उप निदेशक श्री भगवानदास मोरवाल ने 'राजभाषा और मौलिक लेखन' विषय पर रोचक व्याख्यान दिया। मुख्यालय के भवभूति सभागार में आयोजित इस व्याख्यान में 10-30 जून तक आयोजित किए जा रहे 500वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम में शामिल 9 राज्यों के 28 शिक्षकगण ने 'संघ की राजभाषा नीति और स्कूली शिक्षा में हिंदी का महत्व' विषय पर आमंत्रित विशेषज्ञ से अतिरिक्त महत्वपूर्ण जानकारी भी हासिल की।

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" विषयक कार्यशाला का शुभारंभ 19 जून 2025 को सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में हुआ।

सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद द्वारा 16 से 25 जून, 2025 तक सेवारत स्कूल शिक्षकों के लिए 'हमारी सांस्कृतिक विविधता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 7 राज्यों के 31 शिक्षकों ने भाग लिया।

सीसीआरटी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस का संयुक्त उत्सव

सीसीआरटी मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय केंद्रों में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले रहे शिक्षक प्रतिभागी, समस्त अधिकारीगण एवं स्टाफ सामूहिक रूप से योगाभ्यास में शामिल हुए। साथ ही, ईशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक विशेष सत्र में सभी ने सचेतन ध्यान (Mindful Meditation) के अनुभव के माध्यम से आत्मिक शांति और संतुलन को महसूस किया।

योग, ध्यान और संगीत – इस त्रिवेणी संगम ने तन, मन और आत्मा को एक नई ऊर्जा प्रदान की।

सीसीआरटी में विश्व संगीत दिवस की सांगीतिक अभिव्यक्तिः वाद्यवृंद की मनोहारी प्रस्तुति

विश्व संगीत दिवस के अवसर पर सीसीआरटी मुख्यालय में एक विशेष वाद्य संगीत प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों ने पं. चेतन जोशी के निर्देशन में एक सुंदर वाद्यवृंद (Instrumental Ensemble) प्रस्तुत किया।

प्रस्तुति में भारतीय संगीत की विविधता को समेटती चार प्रमुख रचनाओं ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया : गंगा-यमुना-सरस्वती, ताल वाद्य कचहरी, भारत राग और राग भैरवी।

यह आयोजन संगीत की एकता, साधना और विविधता का एक जीवंत उदाहरण बना, जिसने सीसीआरटी के मंच पर भारत की सांस्कृतिक आत्मा को साकार कर दिया।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा दिनांक 21 जून, 2025 को "एक धरती, एक स्वास्थ्य हेतु योग" विषय पर आधारित एक विशेष सत्र के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर "नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" विषयक कार्यशाला (19 जून से 03 जुलाई 2025) में भाग ले रहे 6 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आए कुल 39 शिक्षक-प्रतिभागियों ने सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र, दमोह द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 21 जून 2025 को किया गया। योग प्रशिक्षण हेतु योगाचार्य श्री प्रशांत आसाटी जी को योग विशेषज्ञ के रुप में आमंत्रित किया गया, जिनके द्वारा सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, दमोह मे योग का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने योग के बारे मे संक्षेप मे जानकारी दी तथा योग से शरीर को मिलने वाले लाभ को भी बताया गया। भारत की प्राचीन विरासत योग विश्व को भारत की आध्यात्मिक शक्ति से परिचय कराती है। इस अवसर पर जिले के साहित्यकार, सीसीआरटी से प्रशिक्षित शिक्षक, शिक्षकाओ के साथ कला संस्कृति से जुड़े लगभग 30 लोग उपस्थित रहे। जनभागीदारी से सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का सफल आयोजन किया गया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद द्वारा 21 जून 2025 को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा योग अभ्यास किया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद ने 16 से 25 जून, 2025 तक आयोजित 'हमारी सांस्कृतिक विविधता' कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षा में सांस्कृतिक मूल्यों को समाहित करने के लिए सशक्त बनाना था। 7 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 31 शिक्षकों ने इसमें भाग लिया और बहुमूल्य अंतर्दृष्टि एवं अनुभव साझा किए। कार्यशाला के सिद्धि समारोह (समारोह) के अवसर पर शिक्षक प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और राष्ट्रगान के साथ सत्र का समापन हुआ।

500वां अनुस्थापन पाठ्यक्रमः कला, अभिव्यक्ति और नई शुरुआत

जून माह में सीसीआरटी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि का साक्षी बनते हुए 10 से 30 जून 2025 के दौरान 500वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम सीसीआरटी मुख्यालय में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें 9 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आए 28 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कला-आधारित, समावेशी एवं संस्कृति-संवेदी शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना था।

इस तीन सप्ताहीय प्रशिक्षण में व्याख्यान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, शिल्प कार्यशालाएँ, शैक्षिक भ्रमण, योग, संगीत और संवाद सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को एक समग्र अनुभव प्रदान किया गया। प्रो. ज्योत्सना तिवारी, प्रो. भरत गुप्त, पं. चेतन जोशी, डॉ. विजय कुमार माथुर, डॉ. गौतम चौबे, डॉ. चारू स्मिता गुप्ता एवं श्रीमती जयश्री आचार्य सहित अनेक विशेषज्ञों ने कला, साहित्य, इतिहास, नाट्य, संगीत और अध्यापन के विविध पहलुओं पर गहन संवाद किया। प्रतिभागियों ने रंगमंच की अलग अलग विधाओं एवं विभिन्न भारतीय भाषाओं के गीतों को भी सीखा।

प्रशिक्षण में शिल्प कौशल की गहराई से समझ विकसित करने हेतु प्रतिभागियों को चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना, बांधनी कला, जिल्दसाजी, सिक्की घास की शिल्पकला, लघु चित्रकारी और कठपुतली निर्माण जैसी कार्यशालाओं से जोड़ा गया। साथ ही शिक्षकों ने पाठ योजना निर्माण और शिक्षण सामग्री (TLM) निर्माण में भारतीय ज्ञान परंपराओं का सृजनात्मक उपयोग किया। राष्ट्रीय संग्रहालय और स्मारकों की शैक्षिक यात्राओं ने इस प्रशिक्षण को और भी समृद्ध किया। यह पाठ्यक्रम न केवल एक मील का पत्थर रहा, बल्कि एक बार फिर यह साबित हुआ कि सीसीआरटी भारतीय शिक्षा व्यवस्था में संस्कृति को जीवंत बनाए रखने वाली एक प्रेरक शक्ति है।

राजभाषा अनुभाग

सीसीआरटी मुख्यालय परिसर में दिनांक 27 जून को कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक (अप्रैल – जून 2025) आयोजित की गई, जिसमें मुख्यालय के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके चारों क्षेत्रीय केंद्र में मौजूदा तिमाही में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा और आगामी तिमाही की कार्य – योजना पर चर्चा की गई।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री मनीष कुमार,** हिन्दी अधिकारी एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)
15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली – 110075 भारत
दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर